

अयाधारम

EXIL VORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिकार से उद्योग्स PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 433]

नर्ड विल्ली, बृहस्पतियार नवण्वर 3, 1983/क्रांतिका 12, 1905

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 3, 1983/KARTIKA 12, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह असण संकलन के रूप में रक्षा का सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compllation

नौयहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्सन पक्ष्त)

अधिस्घनाए

मर्ड विरुली, टन्टरटर, 1983

सा. का चि. 324(अ) जिन्दीय सरकार महातान न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 7 (2) (स) के साथ पिठत धारा 3, उपधारा (1) व्वास प्रयत्न आकरणे का प्रयोग करते हुए टूटीकोरिन पोर्ट को न्यासी प्रडल में सवर्न पेट्रोकोपिकाल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने के लिए कार्यकारी निदेशक, सवर्न पेट्रोकैमिकल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड के स्थान पर महाप्रबंधक (स्थल), सवर्न पेट्रोक्कोमिकल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड, टूटी कोरिन को न्यासी नियुक्त करती है तथा नौ इस और परिचहन मुखलय (पत्तम पक्ष) में भारत सरकार की अधिम चना स. सा का लि 289 (अ) विनांक 31 मार्च, 1933 तो निम्निल हित सशोधन करती है, अर्थान .—

उक्त अधिसूचना में कम संख्या 13 के आगे ''कार्यकारी निदेशक, सर्वर्न पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज कारपोरेकन लिम्टिंड,'' के स्थान पर ''महाप्रबन्धक (स्थल), सर्वर्न पेट्रोकिमिकल इंडस्ट्रीज कारपोरेकन लिम्टिंड, टूटीकोरिन'' रहेगे ।

[फा. सं. पी. डबल्य (पीटीबी-34/82)]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)
NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd November, 1985

G.S.R. 824(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3, read with section 7(2)(b) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints the General Manager (Site), Southern Petrochemical Industries Corporation Limited, Tuticorin, as Trustee to represent the Southern Petrochemical Industries Corporation Limited, on the Board of Trustees of the Port of Tuticorin vice the Executive Director, Southern Petro-chemical Industries Corporation Limited and makes the following amendment in the notification of the Govenment of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 289(E), dated the 31st March, 1983, namely:—

In the said notification, against Serial Number 13 for the entry "Executive Director, Southern Petro-chemical Industries Corporation Limited", the entry "Geenral Manager (Site), Southern Petro-

chemical Industries Corporation Limited, Tuticorin", shall be substituted.

[F. No. PW|PTB-34|82]

गा. का. नि. 825(अ).—केन्द्रीय संस्टकार महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 13 के साथ पठित धारा 3, उपधारा (1) ह्वारा प्रवत्त इतिक्यों का प्रयोग करते हुए 'कलकत्ता पोर्ट के न्यासी मंडल ने इंडियन आयल कारपोच्चान लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने के लिए महाप्रबन्धक, हिन्द्रया, शोधनेशाला हिन्द्रिश, पूर्वी क्षेत्र, कलकत्ता को न्यासी नियुक्त करती है तथा नौबहन और परिवहर मंडातक (पत्तन पक्ष) ने भारत मर-कार की अधिगृष्टना सं. सा. का. नि. 285 (अ) दिनांक 31 नार्च 1982 में निम्निलिस्त संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त शिधस् बना में क्रम संख्या 17 के आये 'महाध्रवन्धक, हिन्दिश शोधन शाला, हिन्दिश'' के स्थान पर ''महाध्रवन्धक, इंडियन आयल का'रपोरेशन लिमिटेड, पूर्वी क्षेत्र, कलकला'' रहेंगे।

[फा. सं. पी उन्नल्यू/पी टीबी-58/81] दिनेश क्यार जैन, संयुक्त सचिव G.S.R. 825(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3, read with section 13, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints the General Manager, Indian Oil Corporation, Ltd. Eastern Region, Calcutta, as a Trustee on the Board of Trustees of the Port of Calcutta to represent the Indian Oil Corporation Limited vice General Manager, Haldia Refinery, Haldia and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 285(E), dated the 31st March, 1982, namely:—

In the said notification, against Serial Number 17, for the entry "General Manager, Haldia Refinery, Haldia, the entry "General Manager, Indian Oil Coporation Limited, Eastern Region, Calcutta, shall be substituted.

[F. No. PW|PTB-58|81]D. K. JAIN, Jt. Secy.